TEACHERS OF BIHAR

# दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

26 अक्टूबर 2025

# Teachers of Bihar

The Change Makers

## आज का सुविचार

ज्ञान ही एकमात्र अच्छाई है और

अज्ञानता ही एकमात्र बुराई है।

प्लेटो

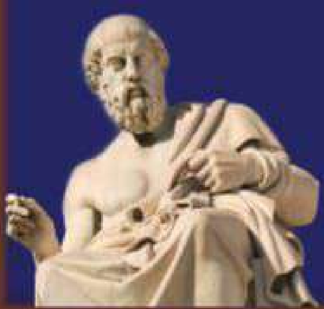

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

# दिवस विशेष

26 अक्टूबर

## मधु प्रिया

# गणेशशंकर विद्यार्थी का जन्म 26 अक्टूबर

गणेशशंकर विद्यार्थी,का जन्म 26 अक्टूबर,1890 को अपने ननिहाल,इलाहाबाद के अतरसुइया मोहल्ले में दुर्गा पूजा पार्क के निकट,श्रीवास्तव वर्मा (कायस्थ) परिवार में हुआ था । वह रहने वाले मुंशी जयस्थ हथगाँव,जिला फतेहपुर (उत्तर प्रदेश) के निवासी थे। माता का नाम गोमतीदेवी था। पिता ग्वालियर रियासत में मुंगावली के ऐंग्लो वर्नाक्युलर से हुआ और 1905 ई. में भेलसा से अंग्रेजी कानपुर से एंट्रेंस परीक्षा पास करके आगे की पढ़ाई के लिए इलाहाबाद के कायस्थ पाठशाला कालेज में भर्ती समय से पत्रकारिता की ओर झुकाव हुआ और भारत में अंग्रेज़ी राज के यशस्वी लेखक पंडित सुन्दर लाल (कायस्थ) इलाहाबाद के साथ उनके हिंदी साप्ताहिक कर्मयोगी के संपादन में सहयोग देने लगे। लगभग एक वर्ष कालेज में पढ़ने के बाद 1908 ई. में कानपुर के करेंसी आफिस में 30 रु. मासिक की नौकरी की। परंतु अंग्रेज अफसर से झगड़ा हो जाने के कारण उसे छोड़कर पृथ्वीनाथ हाई स्कूल, कानपुर में 1910 ई. तक अध्यापकी की। इसी अवधि में सरस्वती, कर्मयोगी, स्वराज्य (उर्दू) तथा हितवार्ता (कलकत्ता) में समय समय पर लेख लिखने लगे। 1911 में विद्यार्थी जी सरस्वती में पं॰ महावीरप्रसाद द्विवेदी के सहायक के रूप में नियुक्त हुए। कुछ समय बाद "सरस्वती" छोड़कर "अभ्युदय" में सहायक संपादक हुए। यहाँ सितंबर, 1913 तक रहे। दो ही महीने बाद 9 नवम्बर 1913 को कानपुर से स्वयं अपना हिंदी साप्ताहिक प्रताप के नाम से निकाला। इसी समय से 'विद्यार्थी' जी का राजनीतिक, सामाजिक और प्रौढ़ साहित्यिक जीवन प्रारंभ हुआ। पहले इन्होंने लोकमान्य तिलक को अपना राजनीतिक गुरु माना, किंतु राजनीति में गांधी जी के अवतरण के बाद आप उनके अनन्य भक्त हो गए। श्रीमती एनीं बेसेंट के 'होमरूल' आंदोलन में विद्यार्थी जी ने बहुत लगन से काम किया और कानपुर के मजदूर वर्ग के एक छात्र नेता हो गए। कांग्रेस के विभिन्न आंदोलनों में भाग लेने तथा अधिकारियों के अत्याचारों के विरुद्ध निर्भीक होकर "प्रताप" में लेख लिखने के संबंध में ये 5 बार जेल गए और "प्रताप" से कई बार जमानत माँगी गई। कुछ ही वर्षों में वे उत्तर प्रदेश (तब संयुक्तप्रात) के चोटी के कांग्रेस नेता हो गए। 1925 ई. में कांग्रेस के कानपुर अधिवेशन की स्वागत-समिति के प्रधानमंत्री हुए तथा 1930 ई. में प्रांतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हुए। इसी नाते सन् 1930 ई. के सत्याग्रह आंदोलन के अपने प्रदेश के सर्वप्रथम "डिक्टेटर" नियुक्त हुए।

साप्ताहिक "प्रताप" के प्रकाशन के 7 वर्ष बाद 1920 ई. में विद्यार्थी जी ने उसे दैनिक कर दिया और "प्रभा" नाम की एक साहित्यिक तथा राजनीतिक मासिक पत्रिका भी अपने प्रेस से निकाली। "प्रताप" किसानों और मजदूरों का हिमायती पत्र रहा। उसमें देशी राज्यों की प्रजा के कष्टों पर विशेष सतर्क रहते थे। "चिट्ठी पत्री" स्तंभ "प्रताप" की निजी विशेषता थी। विद्यार्थी जो स्वयं तो बड़े पत्रकार थे ही, उन्होंने कितने ही नवयुवकों को पत्रकार,लेखक और कवि बनने की प्रेरणा तथा ट्रेनिंग दी। ये "प्रताप" में सुरुचि और भाषा की सरलता पर विशेष ध्यान देते थे। फलत: सरल,मुहावरेदार और लचीलापन लिए हुए चुस्त हिंद की एक नई शैली का इन्होंने प्रवर्तन किया। कई उपनामों से भी ये प्रताप तथा अन्य पत्रों में लेख लिखा करते थे। अपने जेल जीवन में इन्होंने विक्टर ह्यूगो के दो उपन्यासों,"ला मिजरेबिल्स" तथा "नाइंटी थ्री" का अनुवाद किया। हिंदी साहित्य सम्मलेन के 19 वें (गोरखपुर) अधिवेशन के ये सभापति चुने गए। विद्यार्थी जी बड़े सुधारवादी किंतु साथ ही धर्मपरायण और ईश्वरभक्त थे। वक्ता भी बहुत प्रभावपूर्ण और उच्च कोटि के थे। यह स्वभाव के अत्यंत सरल,किंतु क्रोधी और हठी भी थे। कानपुर के सांप्रदायिक दंगे में 25 मार्च 1931 ई. को इनकी हत्या कर दी गई।

# जयंती विशेष 26 अक्टूबर

**गणेश शंकर विद्यार्थी** (26 अक्टूबर 1890 - 25 मार्च 1931) एक भारतीय पत्रकार, भारतीय राष्ट्रीय सम्मेलन के नेता और स्वतंत्रता आंदोलन के कार्यकर्ता थे। वह असहयोग आंदोलन और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति थे, जिन्होंने कभी विक्टॉर ह्यूगो के उपन्यास नाइंटी-थ्री का अनुवाद किया था, और ज्यादातर हिंदी भाषा के समाचार पत्र, प्रताप के संस्थापक-संपादक के रूप में जाने जाते हैं।

# MATH TLM

69 Class-6to8

## लाभ और हानि (profit and loss)

### विशेष सूत्र (special formulae)

**Trick -1**

जब x वस्तु का क्रय मूल्य y वस्तु के विक्रय मूल्य के बराबर हो तो,

$$\text{प्रतिशत लाभ} = \frac{x - y}{y} \times 100 \text{(जहां } x > y)$$

जैसेः- जब 25वस्तुओं का क्र.मू.20वस्तुओं के वि.मू. के बराबर हो तो %लाभ क्या है?

हलः- $$\text{प्रतिशत लाभ} = \frac{(25-20)}{20} \times 100$$

$$= \frac{5}{20} \times 100 \quad = 25\%$$

# छठ विशेष

राकेश कुमार

## खरना

खरना, जिसे लोहंडा भी कहते हैं, छठ पूजा के चार दिवसीय महापर्व का दूसरा दिन होता है। यह दिन पवित्रता, उपवास और आत्म-शुद्धि का प्रतीक है, जिसके बाद **36** घंटे का निर्जला व्रत शुरू होता है। इस दिन व्रत करने वाले भक्त शाम को सूर्य देव की पूजा करते हैं और विशेष प्रसाद ग्रहण करते हैं।

### खरना का महत्व

शुद्धिकरण: खरना का अर्थ है शुद्धिकरण। यह दिन व्रती के तन और मन को छठ के कठिन उपवास के लिए तैयार करता है।

छठी मैया का आगमन: ऐसी मान्यता है कि खरना के दिन छठी मैया का आगमन होता है।

निर्णायक व्रत की शुरुआत: खरना का प्रसाद ग्रहण करने के बाद व्रती का **36** घंटे का निर्जला व्रत शुरू होता है, जो छठ पूजा के सबसे कठिन हिस्से में से एक है।

आध्यात्मिक तैयारी: यह दिन आध्यात्मिक रूप से भक्तों को सूर्य देव के साथ एक गहरा संबंध बनाने में मदद करता है।

### खरना के बाद का व्रत

..............................

खरना का प्रसाद ग्रहण करने के बाद, व्रती अगले **36** घंटों तक बिना अन्न और जल के उपवास करते हैं। यह व्रत सप्तमी तिथि की सुबह उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही पूरा होता है।

# विमेंस वर्ल्ड कप में भारत के हाईएस्ट टोटल

| रन | खिलाफ | मैदान | साल |
|---|---|---|---|
| 340/3 | न्यूजीलैंड | डी वाई पाटिल | 2025 |
| 330/10 | ऑस्ट्रेलिया | विशाखापत्तनम | 2025 |
| 317/8 | वेस्टइंडीज | हैमिल्टन | 2022 |
| 284/6 | वेस्टइंडीज | ब्रेबॉर्न | 2013 |

# Teachers of Bihar
The Change Makers

# शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 26.10.2025

## सार्वभौमिक शिक्षा

सार्वभौमिक शिक्षा का अर्थ है, किसी भी व्यक्ति के सामाजिक-आर्थिक स्थिति, स्थान, जाति, लिंग या पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना, उसे मुफ्त और सुलभ शिक्षा उपलब्ध कराना। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक बच्चे को न्यूनतम बुनियादी शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिले, क्योंकि इसे एक मौलिक मानव अधिकार माना जाता है।

 राकेश कुमार

# रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

धरती के पास अब एक नहीं बल्कि दो-दो चांद हैं। खगोलविदों ने हमारी पृथ्वी के एक नए साथी की पहचान की है, जो अगले 50 वर्षों तक साथ रहेगा। यह 2025 PN7 नामक एक एस्टेरॉयड है जो लगभग 50 वर्षों तक हमारे ग्रह की परिक्रमा करने वाला है।

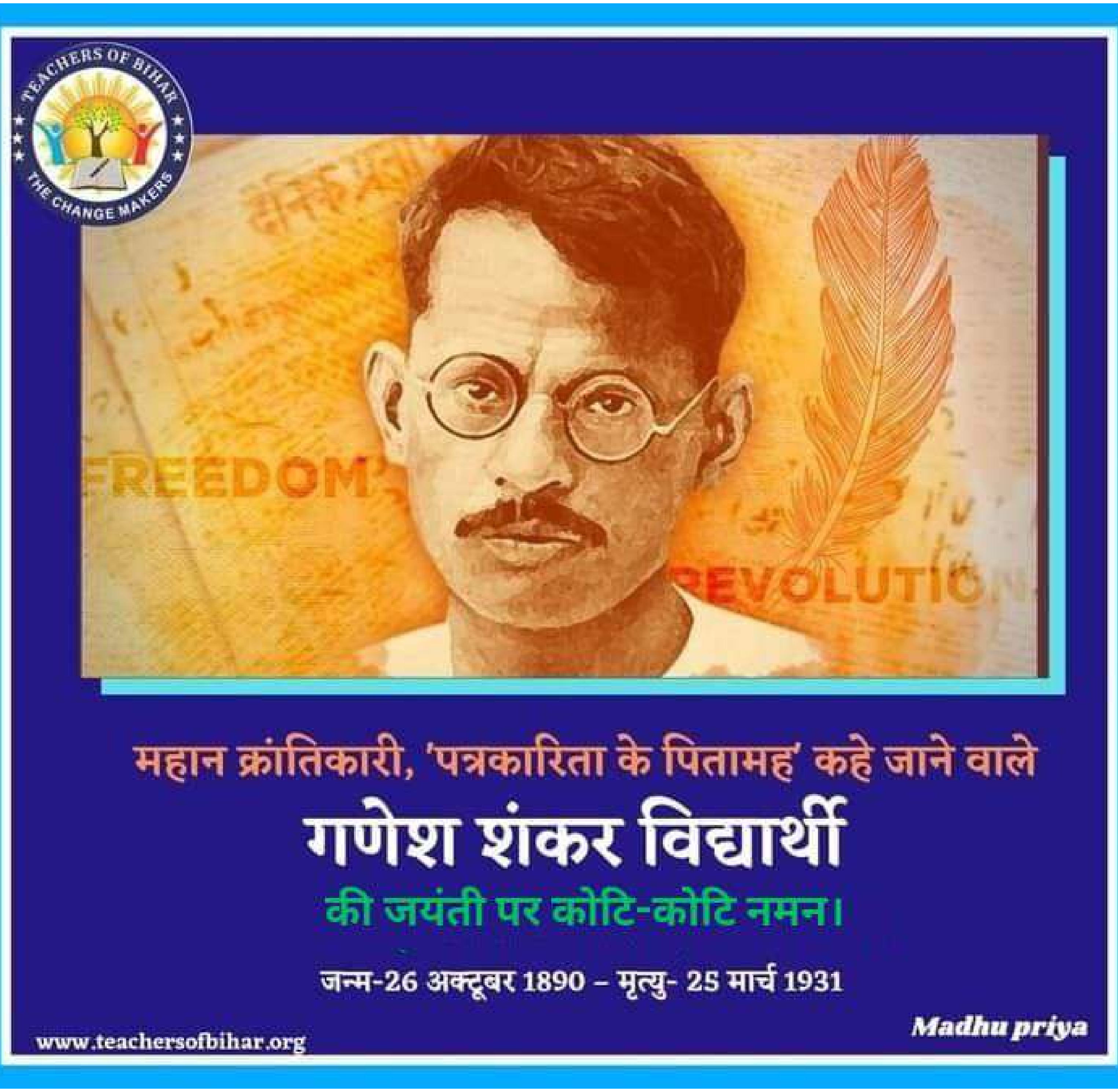
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
FREEDOM
महान क्रांतिकारी, 'पत्रकारिता के पितामह' कहे जाने वाले
गणेश शंकर विद्यार्थी
की जयंती पर कोटि-कोटि नमन।
जन्म-26 अक्टूबर 1890 – मृत्यु- 25 मार्च 1931
Madhu priya
www.teachersofbihar.org